





# जाति जनगणना भारत को तोड़ द्यही है: राजीव गांधी

शेष पृष्ठ संख्या 1 का

उन्होंने कहा कि “देश का लक्ष्य जातिविहीन समाज होना चाहिए” और आपको ऐसा कोई भी कदम उठाने से बचना चाहिए जो देश को जाति-ग्रस्त समाज की ओर ले जाए। उन्होंने कहा, हड्डिस सदन में कोई भी यह नहीं कहेगा कि जातिवाद को हटाना उस राष्ट्रीय लक्ष्य का हस्सा नहीं है।”

## जाति जनगणना भारत को तोड़ रही है: राजीव गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चेतावनी दी है कि जाति जनगणना की बात करना लोगों और देश को बाटने के समान है। राजीव गांधी ने 1990 में संसद में अपने विधायक में मंडल आवयों की रिपोर्ट के बारे में ऐसे ही विचार रखे थे। राजीव गांधी ने लोकसभा में कहा, “...जिस तरह से आपने मंडल आवयों को लागू किया है, मेरे लिए यह मेरे देश को तोड़ रहा है। इस समय में भी, देश को इस जाति विभाजन से वापस खींचने का समय है।” रिकॉर्ड के मुताबिक, उन्होंने

महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर सीएम योगी का खौफ

महिला अपराधों पर योगी सरकार ने कसी नकेल तो मुकदमा दर्ज करने आगे आ रहीं पीड़ित महिलाओं जागरूकता के चलते प्रदेश के कुछ जिलों में महिलाओं के प्रति अपराधों की शिकायतों में हुई वृद्धि

पुलिस की चौकसी और मामलों के निस्तारण में तेजी के चलते प्रदेश में कुल मामलों में दर्ज की गई गिरावट

लखनऊ, 4 अक्टूबर: 6 वर्ष में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं एवं बच्चियों से जुड़े अपराधों को कम करने, आरोपियों को सख्त सजा दिलाने के जो प्रयास किए हैं, उसके चलते न सिर्फ प्रदेश में इन अपराधों में काफी कमी आई है बल्कि हैवानों के परिजन भी आगे आ रहे हैं। सीएम योगी के जागा इस विश्वास के कारण न्याय की ओर में बड़ी सेवा और महिलाओं ने अपने खिलाफ होने वाले अपराधों की आवाजता करने करती है। नीतीजे ये रहा कि एक तरफ जाति प्रदेश के कुछ जिलों में जुड़ दर्ज की गयी है, वहीं पुलिस की चौकसी और मामलों के निस्तारण में तेजी के खिलाफ प्रदेश भर में कुल मामलों में गिरावट भी दर्ज की गयी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला अपराध दुर्क्रम, पॉक्सो एक्ट, लव जिहाद, थर्म परिवर्तन को लेकर समीक्षा बैठक नेहरू एवं हैवानों के निर्देश दिये हैं। साथ ही इन मामलों के मुकदमों को दर्ज करने में हीलावाली करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिये हैं। इस दौरान महिला अपराध को लेकर सख्त कार्रवाई करने वाले टॉप 5 और खराब प्रदेश करने वाले बॉटम 5 की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गयी।

## बन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लिए यूपी के 762 नगरों के विकास पर योगी सरकार का फोकस

- स्टेनिबिलिटी के श्री पिलर्स पर स्थापित किया जा रहा विकास का योगी मॉडल

- सोशल, इन्वॉर्यमेंटल और इकोनॉमिकल स्टेनिबिलिटी के आधार पर नगरों का होगा कार्यक्रम

- मिशन टू मूवमेंट के माध्यम से हर नगर को स्मार्ट बनाने का लक्ष्य

लखनऊ, 4 अक्टूबर। योगी को अगले पांच साल में बन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बाला राज्य बनाने में जुटी योगी सरकार ने प्रदेश के साथ सीएम योगी को लेकर सुनियोजित ढंग से कार्य करना शुरू कर दिया है। फिलहाल प्रदेश में मौजूद 10 स्मार्ट स्टीटी सहित सभी नगर निगमों को सेफ और स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से डेवलप किया जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री की योगी आदित्यनाथ के 762 नगर नियोजितों के कार्यालय के जरिए योगी को बन ट्रिलियन डॉलर की आधार पर नियोजित नगरों को आवाज देने के साथ साथ टेक्नोलॉजी पर भी विशेष ध्यान देने को आवश्यकता है। जैसे, प्रदेश के सभी सोशल स्टेनिबिलिटी के नियोजित नगरों को आज इंट्रिगेट एंट्रीटोल कर्मटर (कर्डर) से जोड़ा जा चुका है। कोरोना काल में आई ट्रिपल सी नियोजित नगरों को आज इंट्रिगेट एंट्रीटोल कर्मटर से जोड़ा जा चुका है।

गेटिंग मोर फ्रॉम लेस

मुख्य सचिव के अनुसार स्टेनिस की हमारी अवधारणा गेटिंग मोर फ्रॉम लेस की है। यानी संसाधनों का ऑप्टिमार्ट यूटिलिटीजेशन हो।

इन्विस्ट्रक्टर के साथ साथ टेक्नोलॉजी पर भी विशेष ध्यान देने को आवश्यकता है। जैसे, प्रदेश तय करने के लिए आवाज नियमों को जो आज इंट्रिगेट एंट्रीटोल कर्मटर (कर्डर) से जोड़ा जा चुका है।

मिशन टू मूवमेंट के आधारित है, जिससे की विकास की पूरी प्रक्रिया को स्थाई रूप दिया जाए।

मिशन टू मूवमेंट

प्रदेश को बन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बाला

गेटिंग मोर फ्रॉम लेस

मुख्यमंत्री की योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज के स्वर्ण जयंती महोस्तव कार्यक्रम को संबोधित किया

सीएम योगी ने कहा- अंग्रेजों की तुषीकरण की नीति के खिलाफ आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की थी

बोले सीएम- आर्य समाज के आंदोलनों ने दिए अनेक क्रांतिकारी

4 अक्टूबर, बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जब बढ़े पैमाने पर धमातरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। वहीं अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुषीकरण की नीति को थोका तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की। आर्य समाज भारत का जीवंत आंदोलन रहा है। एक समय था बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था।

सीएम योगी ने बुखारा को होलांग बालाजी में आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित आर्य समाज के स्थान जयंती महोस्तव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ख्रिस्टोपो और अशूद्धोदार के कार्यक्रम को आर्य समाज ने आगे बढ़ाया। आर्य समाज के आंदोलनों ने अनेक क्रांतिकारी दिए। कार्यक्रम

लखनऊ, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा- अंग्रेजों की तुषीकरण की नीति के खिलाफ आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की थी

बोले सीएम- आर्य समाज के आंदोलनों ने दिए अनेक क्रांतिकारी

4 अक्टूबर, बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जब बढ़े पैमाने पर धमातरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। वहीं अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुषीकरण की नीति को थोका तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की। आर्य समाज के जीवंत आंदोलन रहा है। एक समय था बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था।

सीएम योगी ने बुखारा को होलांग बालाजी में आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित आर्य समाज के स्थान जयंती महोस्तव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ख्रिस्टोपो और अशूद्धोदार के कार्यक्रम को आर्य समाज ने आगे बढ़ाया। आर्य समाज के आंदोलनों ने अनेक क्रांतिकारी दिए। कार्यक्रम

लखनऊ, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा- अंग्रेजों की तुषीकरण की नीति के खिलाफ आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की थी

बोले सीएम- आर्य समाज के आंदोलनों ने दिए अनेक क्रांतिकारी

4 अक्टूबर, बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जब बढ़े पैमाने पर धमातरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। वहीं अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुषीकरण की नीति को थोका तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की। आर्य समाज के जीवंत आंदोलन रहा है। एक समय था बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था।

सीएम योगी ने बुखारा को होलांग बालाजी में आर्य समाज बस्ती द्वारा आयोजित आर्य समाज के स्थान जयंती महोस्तव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ख्रिस्टोपो और अशूद्धोदार के कार्यक्रम को आर्य समाज ने आगे बढ़ाया। आर्य समाज के आंदोलनों ने अनेक क्रांतिकारी दिए। कार्यक्रम

लखनऊ, 4 अक्टूबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्य समाज को संबोधित किया।

सीएम योगी ने कहा- अंग्रेजों की तुषीकरण की नीति के खिलाफ आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की थी

बोले सीएम- आर्य समाज के आंदोलनों ने दिए अनेक क्रांतिकारी

4 अक्टूबर, बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में जब बढ़े पैमाने पर धमातरण कराया जा रहा था, तो उस समय सबसे पहले आर्य समाज ने घर वापसी कराकर उसका जवाब दिया था। वहीं अंग्रेजों ने जब भारतीयों पर तुषीकरण की नीति को थोका तब आर्य समाज ने देश में वैदिक आंदोलन की शुरूआत की। आर्य समाज के जीवंत आंदोलन रहा है। एक समय था बस्ती से लेकर कराची तक आर्य समाज का बोलबाला था।





## भूकंप के झटके से गिर गई छत, बाल बाल बचा परिवार मंगलवार को लगे थे भूकंप के झटके

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

शाहाबाद, हरदोई। शाहाबाद नगर क्षेत्र के दिलेरगंज मोहर्ले में भूकंप के तेज झटकों के कारण एक मकान की छत गिर गई। मकान मालकिन इस



दुर्घटना में बाल बाल बच गई। मंगलवार की दोपहर 2:30 बजे के बत्ते भूकंप के झटकों का एहसास हुआ। तभाम लोग अपने घरों से बाहर आ गए, लेकिन अधिकांश लोगों के भूकंप के झटकों का एहसास नहीं हो सका। मोहर्ला दिलेरगंज की रहने वाली अनीता परी इंद्र कुमार अपने कमरे में लेटी हुई थी। अचानक भूकंप के झटकों के साथ भरभरा कर छत का एहसास गिर गया। एक साड़े में लेटी अनीता बाल बाल बच गयी। छत गिरे ही अनीता कमरे से बाहर भागी और अपनी जान बचाई। दिलेरगंज की रहने वाली इस गोरी महिला ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अवेदन किया था परंतु उसका अवेदन स्वीकार कर्ता नहीं हुआ और उसे आवास नहीं मिल सका। अनीता अपने जर्जर मकान में ही रहकर अपना गुजारा रही है। मंगलवार को आए भूकंप के तेज झटकों से उसके कमरे की छत भरभरा कर गिर पड़ी और वह बाल बाल बच गई।

## गाजे बाजे के स्थान निकली शिव बायत शोभा यात्रा देर रात तक सड़कों पर जुटी रही भीड़

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता

शाहाबाद, हरदोई। पठकाना रामलीला मेला समिति की ओर से मंगलवार की रात एक भव्य शिव बायत शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा को देखने के लिए सड़कों पर महिलाओं और बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी। शिव बायत शोभा यात्रा का शुभारंभ नगर पालिका परिषद कायालय के

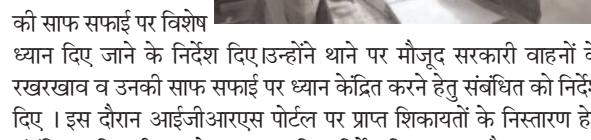


समक्ष हुआ। मेला समिति के महामंत्री अनमोल गुप्ता के आरती पूजन के बाद शोभा यात्रा का शुभारंभ किया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शिव बायत शोभा यात्रा स्टेप बैंक, बड़ी बाजार, घटाघर, सरापाल बाजार, चौक, बालाजी मंदिर होते हुए सीधे सरदरगंज पुलिस चौकी पहुंची। शिव बायत शोभा यात्रा में चंद्रघाट-3, शंकर जी, कृष्ण अर्जुन, राधा कृष्ण, गणेश जी, ब्रह्मा जी, सूर्य चंद्र विष्णु एवं यमराज आदि ज्ञानियां आकर्षण के केंद्र रही। चंद्रघाट-3 की झाँकी कई पसंद की गई। शिव बायत शोभा यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया तथा कलाकारों को जलपान कराया गया। शोभा यात्रा में नर्तकियों का नृत्य भी भीड़ को अवश्यकर करने में कामयाद रहा। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से शाहाबाद कोतवाली पुलिस द्वारा बेहतर इंजिनियरिंग किया गया। शोभा यात्रा में मुख्य रूप से मेला समिति के अध्यक्ष संजय मिश्र बरबूद, आशीष मोहन तिवारी, ऋषि मिश्र, पुष्पेन्द्र मिश्र, सूर्य प्रकाश मिश्र आदि मौजूद रहे।

## एसपी ने अत्यल थाने पहुंचकर पर्यावरण स्थान परिवर्तन पुलिस कर्मियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक समाज जागरण ब्लॉग

हरदोई। पुलिस अधिकारी के शवांचंद गोस्वामी ने मंगलवार की शाम अरबल थाने पहुंचकर व्यवस्थाओं को जायाजा लिया उठाने थाने में रखे अधिकारी, कंप्यूटर, सोसीटीवी केरो व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, मालखाना, शस्त्रागार, बंदूषीय, में, बैरक, जलपान की व्यवस्था, तथा सीज किए गए वाहनों का रखरखाव व बायां रुपरेखा के लिए सड़कों पर महिलाओं और बच्चों की भारी भीड़ उमड़ी।



ध्यान दिए जाने के निर्देश दिए उठाने थाने पर मौजूद सरकारी वाहनों के रखरखाव व उनकी सफाई पर ध्यान केंद्रित करने हेतु संविधान को निर्देश दिए। इस दौरान आईंसीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निरसारण हेतु संविधान अधिकारीण को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इस दौरान थानाध्यक्ष श्याम कूनौजिया सहित थाने के समस्त पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

## 33 हजार रुपए लेकर नहीं शुल्क को पालिसी एल आई सी एजेंट ने फर्जी स्ट्रीट देकर अध्यापक से की धोखाधड़ी

दैनिक समाज जागरण रात्रौ

शाहाबाद, हरदोई। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहर्ला गिरियानी निवासी एक सरकारी अध्यापक के साथ एवं आई सी एजेंट द्वारा 33000 की धोखाधड़ी करने का मामला प्रकाश में आया है। अध्यापक ने एजेंट के खिलाफ कोतवाली के मोहर्ला गिरियानी कोतवाली के मोहर्ला गिरियानी सुनील कुमार पुत्र बाबूराम के अनुसार वह एक सरकारी अध्यापक है। 28 फरवरी 2023 को उसने खाता जमाल खान निवासी एजेंट अतुल अवस्थी से भारतीय जीवन बीमा निगम को पालिसी ली थी। बकल अध्यापक उसने अपनी पालिसी के 16780 तथा पनी माही की पालिसी 16501 रुपए यात्रा कुल 33281 रुपए की बिस्त अतुल अवस्थी को दी। अतुल अवस्थी को उस भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्यालय पहुंचा तो वह कार्यालय के कर्मचारियों ने बताया कि वह फर्जी कागजात है। सुनील कुमार एवं आरोगी अतुल अवस्थी के खिलाफ धोखाधड़ी की तरह को

## स्थाई बेहता गांव के प्रताप विक्रम सिंह ने केले की द्वेषी से बढ़ाई आय पर्यावरण अनुकूल अधिक लाभकारी नकदी फसलों की ओर किसानों का तेजी से बढ़ा रुझान

दैनिक समाज जागरण ब्लॉग

हरदोई जनपद हरदोई के प्रगतिशील किसानों की फेडरेशन में एक नाम प्रताप विक्रम सिंह का भी शामिल है जिन्होंने न सिर्फ अपने जीवन स्तर में बदलाव किया बल्कि अन्य किसानों के लिए भी बदलाव के बाहक बने हैं। जनपद के अधिकांश किसानों की भाँती प्रताप विक्रम सिंह भी गेंहूं, धान आदि की पारंपरिक खेती करते थे जिससे उन्हें संतुष्टि आयी थी। वे बताते हैं कि पारंपरिक खेती से उन्हें कीरी 65 हजार रुपये रहते हैं। वे बताते हैं कि वे केले की खेती से कामी खुश हैं। केले की 2 हेक्टेयर खेती करने में लगत लागभ 4 लाख 95 हजार रुपए आयी। इससे उनको 1720 कुंटल केले की उपज प्राप्त हुई तथा इस उपज को बाजार में बेचकर उन्होंने लगभ 20 लाख 64 हजार रुपए की कमाई पाई। केले की खेती ने उनकी सोच को पूरी तरह से खेती के प्रति सकारात्मक बना दिया है।



पर 30738 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान दिया जा रहा है। इसी को देखते हुए उन्होंने वर्ष 2022-23 में 2 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती करने हेतु पंजीकरण कराया। इसके बाद उन्होंने प्रारंभिक रूप से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती की। किसानों की संख्या बढ़ी है। हाल के वर्षों में किसानों का रुझान नवीन पर्यावरण अनुकूल अधिकारी की नकदी फसलों की ओर तेजी से बढ़ा है।

कहते हैं कि वे केले की खेती से

भाँती खुश हैं। केले की 2 हेक्टेयर खेती करने में लगत लागभ 4 लाख 95 हजार रुपए आयी। इससे उनको 1720 कुंटल केले की उपज प्राप्त हुई तथा इस उपज को बाजार में बेचकर उन्होंने लगभ 20 लाख 64 हजार रुपए की कमाई पाई। केले की खेती ने उनकी सोच को पूरी तरह से खेती के प्रति सकारात्मक बना दिया है।

1960 में पूरी कूरता निवारण अधिनियम लाया गया था। साथ ही इस एकट की धारा-4 के तहत साल 1962 में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड का गठन किया गया। इस अधिनियम का उद्देश्य पशुओं को अनावश्यक सजा या जानवरों के उत्पीड़न की प्रवृत्ति को रोकना है। जामले को लेकर कई तरह के प्रावधान इस एकट में शामिल हैं। जैसे, अगर कोई पशु मालिक अपने पालतू जानवर को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का अपराधी होगा। इसके अलावा अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु कूरता का व्यवहार हो जाता है।

मानवाधिकारी अंगत जानवरों को बचाने के लिए अपनी जान देता है। अगर कोई कूरता को आवास छोड़ देता है, तब ऐसा व्यक्ति पशु











